चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान में वित्तीय अंतर्वेशन एवं आर्थिक विकास पर कार्यशाला

पटना (आससे) । चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना ने गुरूवार को वित्तिय अंतर्वेशन एवं आर्थिक विकास पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला एसेक्स बिजनेस स्कूल मैनचेस्टर के प्रो. थैंकौम अरूण एवम मैनचेस्टर मैट्रोपोलिटन युनिवर्सिटि की प्रो. शोभा अरूण द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया।

चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना के निदेशक डॉ. वी. मुकुन्द दास ने अपने उद्घाटन भाषण में लोक-नीति एवं शासन विधि के बीच गहरे तादातम्य पर बल दिया। उन्होंने कहा कि लिंग संवेदनशील लोक-नीति एक अच्छे शासन विधि के मूलभूत स्तंभो मे से एक है।

प्रो. थैंकौम ने दक्षिण अफ्रीका एवं बांगलादेश की माइक्रोफाइनांस संस्थाओं के कार्य पर अपने शोध के दौरान पाए गये मुख्य बिन्दुओं पर चर्चा की। प्रो. शोभा अरूण ने परस्पर संवादात्मक सत्र के अंतर्गत केरल में कुटुम्बश्री एवं सूचना प्रोद्योगिकी उद्यम पर छात्रों के साथ संवाद की।

AAJ ! Page.NO-06 ! Dated:11-08-2017

समावेश एवं आर्थिक विकास पर कार्यशाला

पटना। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना में गुरुवार को वित्तीय समावेश एवं आर्थिक विकास पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला हुई। इसका संचालन एसेक्स बिजनेस स्कूल मैनचेस्टर के प्रो. थैंकौम अरुण एवं मैनचेस्टर मेट्रोपोलिटन यूनिवर्सिटी की प्रो. शोभा अरुण ने किया। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने कहा कि लिंग संवेदनशील लोक-नीति एक अच्छी शासन विधि के मूलभूत स्तंभों में से एक है। प्रो. थैंकौम ने दक्षिण अफ्रीका एवं बांग्लादेश की माइक्रो फाइनांस संस्थाओं के कार्य पर अपने शोध के दौरान पाए गए मुख्य बिन्दुओं पर चर्चा की। प्रो. शोभा अरुण ने संवाद सत्र का आयोजन किया।

Dainik Bhaskar
Page.No-09
Dated:11-08-2017

छात्रों के आर्थिक विकास पर होगी कार्यशाला

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना में गुरुवार को वित्तीय अंतर्वेषन एवं आर्थिक विकास पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को एसेक्स बिजनेस स्कूल मैनचेस्टर के प्रो. थैंकौम अरूण एवं मैनचेस्टर मैट्रोपोलिटन यूनिवर्सिटी की प्रो. शोभा अरूण द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया।

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना के निदेशक डॉ. वी. मुकुन्द दास ने उद्घाटन भाषण में लोकनीति एवं शासन विधि के बीच गहरे तादातम्य पर बल दिया। उन्होंने कहा कि संवेदनशील लोकनीति एक अच्छे शासन विधि के मूलभूत स्तंभों में से एक है। प्रो. थैंकौम ने दक्षिण अफ्रीका एवं बांगलादेश की माइक्रोफाइनांस संस्थाओं के कार्य पर अपने शोध के दौरान पाए गये मुख्य बिन्दुओं पर चर्चा की। प्रो. शोभा अरूण ने परस्पर संवादात्मक सत्र के अंतर्गत केरल में कुटुंबश्री एवं सूचना प्रोद्योगिकी उद्यम पर छात्रों के साथ संवाद किया।

Dainik Jargan
Page.No-18
Dated:11-08-2017

सीआईएमपी में लेक्चर व कार्यशाला आयोजित

पटना। महिलाएं आलोचना के प्रति ज्यादा संवेदशनील होती हैं, इसलिए वे पुरुषों की तुलना में राशि भुगतान के मामले में ज्यादा अनुशासित होती हैं। यह कहना था एसेक्स बिजनेस स्कूल मैनचेस्टर (ब्रिटेन) के प्रोफेसर थैंकोम अरुण का। वे चन्द्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआईएमपी) में गुरुवार को 'जेंडर रोल्स इन फाइनेंसियल इंक्लूजन एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट' (वित्तीय समावेशन और आर्थिक विकास में महिला-पुरुष की भूमिका) विषय पर बोल रहे थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश में माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं पर अपने शोध के बारे में बताया। कहा, रिस्क लेने की 'संस्कृति और बोद्धात्मक लैंगिक विभिन्नता' माइक्रो लोन के पुनर्भुतान में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। कैंपस में लेक्चर के साथ एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया था, जिसमें प्रो. अरुण और उनकी पत्नी मैनचेस्टर मेट्रोपोलिटन यूनिवर्सिटि की प्रो. शोभा अरुण ने विद्यार्थियों के साथ बातचीत की। कार्यक्रम के उद्घाटन भाषण में संस्थान के निदेशक डॉ. वी. मुकुन्दा दास ने लोक-नीति एवं शासन विधि के बीच गहरे तारातम्य पर बल दिया।

Hindustan Yuva
Page.NO-02
Dated:11-08-2017

बराबरी से खुलेगा विकास का रास्ता

सीआईएमपी में पब्लिक पॉलिसी और गवर्नेंस विषय पर वर्कशॉप

patna@inext.co.in

PATNA (10 Aug) : विकास की गति को आगे बढ़ाना हर कोई चाहता है. लेकिन इसमें व्यवहारिक दोष यह है कि इसके लिए महिलाओं को बराबरी की भागीदारी नहीं मिलती है. जबकि महिलाएं परुषों की तुलना में ज्यादा जिम्मेदारी लेकर लक्ष्य हासिल करती है. ये बातें मैनचेस्टर के एक्सेस बिजनेस स्कूल के प्रो. थैकोम अरूण ने सीआईएमपी में पब्लिक पॉलिसी और गवर्नेंस विषय पर आयोजित वर्कशॉप में कही. यह वर्कशॉप सीआइएमपी में आयोजित इंटरनेशनल लेक्चर सीरीज के अंतर्गत आयोजित किया गया था. इसमें दूसरे विशेषज्ञ के तौर पर मैनचेस्टर मेट्रोपोलिटेन यूनिवर्सिटी की प्रो. शोभा अरूण उपस्थित थीं. उन्होनें भी पीजीडीएम के छात्रों को संबोधित कर माइक्रोफाइनेंस सहित जेंडर विषय पर अपना वक्तव्य केन्द्रित किया. कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रो. वी. मुकुंद दास ने दीप प्रज्जवलित कर किया. उन्होंने इस वर्कशॉप को एक सफल और प्रेरक कार्यक्रम बताया.

सेतु का काम हो

पब्लिक पॉलिसी और शासन के तौर तरीकों के बीच में तालमेल होना जरूरी है. इन दोनों के बीच गहरे तालमेल होने से ही एक सफल व्यवस्था का निर्धारण किया जा सकता है. आगे बताया कि जेंडर एक संवेदनशील विषय है. जेंडर इक्वेलिटी अच्छे शासन विधि का मूलभूत अंग है. वहीं, प्रो. शोभा अरूण ने परस्पर संवादात्मक सत्र के अंतर्गत केरल में कुटुम्बश्री एवं सूचना प्राद्योगिकी उद्यम पर छात्रों के साथ संवाद स्थापित किया.

जेंडर कैपिटल की ताकत हो मजबूत

उन्होनें 'जेंडर कैपिटल' की संकल्पना के बारे में बताया. इसके अंतर्गत उन्होंनें तीन प्रकार के कैपिटल -आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पर जोर दिया. उन्होंने ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में नारीवादी आंदोलन के सकारात्मक पहलूओं पर प्रकाश डाला. साथ ही, एक खास सामाजिक ताना- बाना में महिलाओं के रोल को कमतर आंके जाने पर चिंता व्यक्त किया. बताया कि यही वजह है कि वे राजनीति, कारपोरेट लीडरशिप, आईटी, मीडिया पार्टिसिपेशन आदि में पिछड़ जाती है.

माइक्रो फाइनेंस में विदेश का अनुभव

इससे पहले शुरूआती वर्कशाप में थैकोम अरूण ने दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, के सांस्कृतिक और सामाजिक परिवेश में माइक्रो फाइनेंस और इसके रीपेमेंट के बारे में बताया. इस दौरान उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि माइक्रो फाइनेंस के रीपेमेंट में महिलाओं की महती भूमिका रही है. वे इन मामले में ज्यादा सतर्क और लोन चुकता करने में बेहतर साबित हुई है. इस वर्कशॉप में सीआइएमपी के छात्र-छात्राएं एवं फैकल्टी मेंबर्स उपस्थित थे.

राजनीति, कारपोरेट लीडरशिप, आईटी, मीडिया पार्टिसिपेशन आदि में पिछड़ जाती हैं महिलाएं.

I-Next ! Page.No-02 ! Dated:11-08-2017

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

पटना। चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना ने दस अगस्त को वित्तीय अंतर्वेशन एवं आर्थिक विकास पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला एसेक्स बिजनेस स्कूल मैनचेस्टर के प्रो. थैंकौम अरुण एवं मैनचेस्टर मैट्रोपोलिटन युनिवर्सिटी की प्रो. शोभा अरुण द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया। चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना के निदेशक डॉ. वी. मुकुन्द दास ने अपने उद्घाटन भाषण में लोक नीति एवं शासन विधि के बीच गहरे तादातम्य पर बल दिया। प्रो. थैंकौम ने दक्षिण अफ्रीका एवं बांगलादेश की माइक्रो फाइनांस संस्थाओं के कार्य पर अपने शोध के दौरान पाये गये मुख्य बिन्दुओं पर चर्चा की। प्रो. शोभा अरुण ने परस्पर संवादात्मक सत्र के अंतर्गत केरल में कुटुम्बश्री एवं सूचना प्रोद्योगिकी उद्यम पर छात्रों के साथ संवाद किया।

Rashtriya Sahara
Page.No- 05
Dated:11-08-2017